प्रेस विज्ञप्ति

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## मषीनीकरण एवं नयी तकनीकों के प्रयोग से बढ़ेगा दलहन उत्पादनः डा. कुमार

पंतनगर। 06 मई, 2017। दलहनी फसले पोषण सुरक्षा देने एवं टिकाऊ फसल उत्पादन हेतु अत्यंत आवष्यक हैं एवं इनके उत्पादन में वृद्धि के लिए मषीनीकरण एवं नयी तकनीकों का समावेष किया जाना अत्यंत आवष्यक है, ताकि इनके उत्पादन को बढ़ाकर पोषण सुरक्षा देने, मृदा संरचना एवं उर्वरता सुधारने तथा विदेषी मुद्रा को बचाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। ये विचार पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार ने विष्वविद्यालय में आज प्रारम्भ हुयी दो अखिल–भारतीय समन्वित शोध परियोजनाओं की कार्यषाला के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष के रूप में बोलते हुए प्रकट किये। डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित मुलार्प एवं षुष्क फली फसलों की अखिल–भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं की तीन–दिवसीय कार्यषाला के उद्घाटन सत्र में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, के सहायक महानिदेषक (तिलहन एवं दलहन), डा. एस.के. चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कुलपति, डा. जे. कुमार ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में आगे कहा कि विष्व में भारत दलहनों का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला देष है परन्तु दालों की सबसे अधिक खपत भी भारत में ही होने के कारण इनका सबसे बड़ा आयातक भी भारत ही है। दलहनों के आयात पर देष की एक बड़ी विदेषी मुद्रा खर्च हो रही है, जिसे बचाने की आवष्यकता है। उन्होंने कहा कि उर्द एवं मूँग खरीफ की प्रमुख दलहनी फसल है, जिन्हें गेहूँ कटाई के बाद एवं धान की रोपाई के बीच उगाकर इनकी उत्पादकता एवं क्षेत्र को बढ़ाने की काफी संभावना है। डा. कुमार द्वारा पंतनगर विष्वविद्यालय को उसके दलहनी फसलों पर किये गये शोध कार्यों एवं विकसित की गयी दलहनी फसलों की उन्नत प्रजातियों एवं सस्य तकनीकों हेतु कार्यषाला में दिये गये सम्मान के लिये आभार प्रकट किया। साथ ही दलहनी फसलों की उत्पादकता एवं उत्पादन वृद्धि हेतु शोध के विभिन्न क्षेत्रों को चिन्हित किया।

मुख्य अतिथि, डा. एस.के. चतुर्वेदी, ने देष में उर्द, मूंग ग्वार, लोबिया, मोठ, कुल्थी, आदि फसलों के उत्पादन की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की तथा भविष्य की मांग के अनुरूप इसके उत्पादन में बढ़ोत्तरी की आवष्यकता बतायी। उन्होंने वैज्ञानिकों से विषिष्ट समस्याओं पर परियोजनाओं का प्रस्ताव लाने के लिए कहा तथा विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों को आपस में अधिक समन्वय से कार्य करने तथा नयी प्रजातियों के क्षेत्रफल के विस्तार, मृदा उर्वरता, मृदा आर्द्रता, नीम लेपित यूरिया, आदि के आकड़ों को रिकार्ड किये जाने व उनका विषलेष्ण किये जाने की आवष्यकता बतायी।

इस अवसर पर उपस्थित भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, के निदेषक, डा. एन.पी सिंह, द्वारा इस वर्ष दलहन के रिकार्ड उत्पादन, 22.14 मिलियन टन, के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी गयी। उन्होंने दलहन बीज उत्पादन की दिषा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ–साथ भारत सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराते हुए वैज्ञानिकों से षोध कार्यो कों कृषकों तक पहुंचाने के लिये कहा एवं दलहनों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु दलहनों का उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया। मुलार्प फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना के परियोजना समन्वयक, डा. संजीव गुप्ता, एवं शुष्क फसलों के परियोजना समन्वयक, डा. षिव सेवक, द्वारा विगत वर्ष में परियोजना के अन्तर्गत प्राप्त परिणामों की समीक्षा करते हुए उत्पादन बढ़ाने में उपयुक्त सस्ंतुतियों से अवगत कराया गया। उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में निदेषक षोध, डा. जे.पी. सिंह, द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया तथा कार्यक्रम के अन्त में कार्यषाला के आयोजक सचिव एवं समन्वयक दलहन परियोजना, डा. रमेष चन्द्र, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर दोनों परियोजनाओं के बुलेटिन का विमोचन भी किया गया। कार्यषाला में देष के विभिन्न संस्थानों से लगभग 150 वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागिता की जा रही है।

*दलहन की शोध परियोजना की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में सम्बोधित करते अध्यक्ष एवं कुलपति, डा. जे. कुमार।*

*बुलेटिन का विमोचन करते मंचासीन कुलपति, अतिथि एवं वैज्ञानिक।*

# दलहनी फसलों पर महत्वपूर्ण शोध हेतु पंतनगर केन्द्र सम्मानित

पंतनगर। 06 मई, 2017। पंतनगर विश्वविद्यालय के रतन सिंह सभागार में आज प्रारम्भ हुयी मुलार्प एवं शुष्क क्षेत्र की फली फसलों की अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजनाओं की वार्षिक समूह बैठक के उद्घाटन सत्र में पंतनगर में संचालित दलहनी फसलों के शोध केन्द्र को विगत 5 दषकों में सम्पन्न किये गये उत्कृष्ट शोध कार्य, बीज उत्पादन एवं प्रजातियों के विकास हेतु सराहना प्रमाण–पत्र दिया गया। यह सम्मान पंतनगर में परियोजना के समन्वयक, डा. रमेष चन्द्र, द्वारा प्राप्त किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता पंतनगर विष्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार द्वारा की गयी। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेषक (तिलहन एवं दलहन), डा. एस.के. चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, के निदेषक, डा. एन.पी सिंह; मुलार्प फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना के परियोजना समन्वयक, डा. संजीव गुप्ता, एवं शुष्क फसलों के परियोजना समन्वयक, डा. षिव सेवक, भी इस अवसर पर मंचासीन थे।

*पंतनगर के दलहन शोध केन्द्र को मिले सराहना प्रमाण–पत्र को प्राप्त करते डा. रमेष चन्द्र; मंचासीन डा. जे. कुमार; डा. एस. के. चतुर्वेदी एवं डा. षिव सेवक*